

अनुक्रमांक .

नाम

101

301(DF)

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

- नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड - क

1. (क) 'नासिकेतोपाख्यान' के रचनाकार हैं

- (i) मुंशी इंशा अल्ला खाँ
- (ii) लल्लू लाल
- (iii) सदल मिश्र
- (iv) मुंशी सदासुख लाल ।

1

(ख) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका है

- (i) 'कवि वचन सुधा'
- (ii) 'हिन्दी प्रदीप'
- (iii) 'विशाल भारत'
- (iv) 'साहित्य-सन्देश' ।

1

(ग) 'गोदान' किस विधा की रचना है ?

- (i) कहानी
- (ii) उपन्यास
- (iii) निबन्ध
- (iv) नाटक ।

1

301(DF)

(घ) छायावादी-युग के प्रसिद्ध आलोचक हैं

- (i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- ✓(iii) धर्मवीर भारती
- (iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी ।

1

(ङ) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं

- (i) मुंशी प्रेमचन्द
- (ii) सदल मिश्र
- (iii) इंशा अल्ला खाँ
- (iv) मुंशी सदासुख लाल ।

1

2. (क) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' के रचनाकार हैं

- (i) 'मुक्तिबोध'
- (ii) 'अज्ञेय'
- (iii) भवानीप्रसाद मिश्र
- (iv) गिरिजाकुमार माथुर ।

1

(ख) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है

- (i) 'रामचरितमानस'
- (ii) 'रामचन्द्रिका'
- (iii) 'पद्मावत'
- (iv) 'पृथ्वीराज रासो' ।

1

(ग) 'छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है' - यह कथन है

- (i) सुमित्रानन्दन पंत का
- (ii) डॉ० नगेन्द्र का
- (iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का
- (iv) जयशंकर प्रसाद का ।

1

(घ) 'कवीर वाणी के डिक्टेटर हैं' - कथन है

- (i) जयशंकर प्रसाद का
- (ii) रामचन्द्र शुक्ल का
- (iii) नन्द दुलारे वाजपेयी का
- (iv) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ।

1

(ङ) सुमित्रानंदन पंत की 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार प्राप्त काव्यकृति है

- (i) 'वीणा'
- (ii) 'कला और बूढ़ा चाँद'
- (iii) 'ग्रन्थि'
- (iv) 'चिदम्बरा' ।

1

3. निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

हमारी युवा शक्ति से सम्पर्क कायम करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है । उनके सपनों को जानना और उन्हें बताना कि अच्छे, भरे-पूरे और सुख-सुविधाओं से पूर्ण जीवन के सपने देखना तथा फिर स्वर्णिम युग के लिए काम करना सही है । आज जो कुछ भी करें वह आपके हृदय से किया गया हो, अपनी आत्मा को अभिव्यक्ति दें और इस तरह आप अपने आस-पास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कर सकेंगे ।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) लेखक का युवा-शक्ति से सम्पर्क कायम करने के फैसले का आधार क्या रहा है ?
- (iv) हम अपने आस-पास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कब कर सकेंगे ?
- (v) 'अभिव्यक्ति' तथा 'प्रसार' का अर्थ लिखिए ।

अथवा

इच्छाएँ नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं। उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है। यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है। इस संसार को अभी राग-भाव से वह चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है। पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुँझलाहट और छटपटाहट ही उसे हाथ आती है।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ तथा उसके लेखक का नाम लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) प्रवृत्ति-निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों थक जाता है ?
- (iv) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है ?
- (v) कौन-सा द्वन्द्व व्यक्ति को थका देता है ?

5 × 2 = 10

4. निम्नलिखित पद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मुझे फूल मत मारो,

मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।

होकर मधु के मीत मदन, पटु तुम कटु, गरल न गारो,

मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो।

नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,

बल हो तो सिन्दूर-बिंदु यह-यह हर नेत्र निहारो।

रूप-दर्प कंदर्प, तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,

लो, यह मेरी चरण-धूलि उस रति के सिर पर धारो।

- (i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने कौन-सा अलंकार प्रयुक्त किया है ?
- (iv) काम-व्यथित होने पर उर्मिला किससे प्रार्थना करती है ?
- (v) पद्यांश में उर्मिला ने अपने सिंदूर बिंदु को किसके समान बताया है ?

अथवा

तरनि-तनूजा तर तमाल तरुवर बहु छाये ।
 झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये ॥
 किधौ मुकुर मैं लखत उझकि, सब निज-निज सोभा ।

कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा ॥
 मनु आतप वारन तीर कै सिमिटि सबै छाये रहत ।
 के हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत ॥

- (i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) इस पद में किसका मनोहारी चित्रण किया गया है ?
- (iv) यमुना तट पर तमाल के झुके हुए वृक्ष किस प्रकार के प्रतीत हो रहे हैं ?
- (v) जल रूपी दर्पण में अपनी शोभा कौन देख रहा है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

- (i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
- (ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
- (iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं को लिखिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

- (i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (iii) जयशंकर प्रसाद ।

6. 'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । 5

अथवा

'बहादुर' अथवा 'खून का रिस्ता' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।
(ग) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाएँ संक्षेप में लिखिए ।
(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर किसी स्त्री पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ सर्ग' की घटना अपने शब्दों में लिखिए ।
(च) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

खण्ड - ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

2 + 5 = 7

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्य प्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानम कुर्वन् ।
चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन् । तत्रः शकुनिगणः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन्
पाषाणे सन्निपत्य 'मनुरूपेषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति ।
अराजको वासी नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः । अथ ते परस्पर-
मवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन् ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिक जीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमथ इमे सिद्धान्ताः
राष्ट्राणां परस्परमैत्री सहयोग कारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति ।
राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहरलाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री
पञ्चशीलसिद्धान्तानाधिकृत्य एवाभवत् । यतोहि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ । आधुनिके
जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

सहसा विदधीत न क्रियाम विवेकः परमापदां पदम् ।

वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुरु लुब्धा स्वमेव सम्पदः ॥

अथवा

सुपुष्पितास्तु पश्यैतान् कर्णिकारान् समन्ततः ।

हारक प्रति सञ्छत्रान् नरान् पीताम्बरानिव ॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में उत्तर दीजिए :

2 + 2 = 4

(i) संस्कृत-साहित्यस्य अनुशीलनेन के गुणाः सञ्जायन्ते ?

(ii) बौद्ध युगे पञ्चशील सिद्धान्ताः कस्य हेतोः प्रयुक्ता आसन् ?

(iii) महामना मालवीयः वाराणसी-नगरे कस्य विश्वविद्यालयस्य संस्थापनम् करोत् ?

(iv) दुर्योधनः कस्य प्रभावेण आसनात् चलितोऽभवत् ?

10. (क) 'हास्य' रस अथवा 'शान्त' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'रूपक' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'बरवै' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

2 + 7 = 9

(i) बढ़ती जनसंख्या और देश का भविष्य ।

(ii) राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक की भूमिका ।

(iii) भारत में आतंकवाद की समस्या ।

(iv) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान ।

12. (क) (i) 'पवनः' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) प + अनः

(ब) पो + अनः

(स) पव + नः

(द) पौ + अनः ।

1

(ii) 'उच्चारणम्' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) उत् + चरणम्

(ब) उ + चरणम्

(स) उत् + चरणम्

(द) उत् + चारणम् ।

1

[Turn over